Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

कोड नं. **2/2**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

खण्ड क

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

तोड़ दो मन ! अहम् तोड़ दो ।
मत शिखर पर अकेले रहो,
मुक्त मैदान में भी बहो,
अंध क्षण में भी ली हो अगर —
दंभ की हर क़सम तोड़ दो !
ज़िन्दगी बँध गई झील-सी,
एक बीमार क़न्दील-सी,
आदमी के हितों के लिए —
निर्दयी सब नियम तोड़ दो !

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

की सर्जना,
...र की वर्जना,
स्वस्थ संशोधनों के लिए —
रूढ़ियों की रसम तोड़ दो !
स्वप्न वह जो कि पैदल चले,
धूल जलती हुई मुख मले,
सिर्फ़ रेशम नहीं ज़िन्दगी —
इन्द्रधनुषी वहम तोड़ दो !

(क) कवि 'अहम्' को तोड़ने के लिए क्यों कह रहा है ?

(ख) कवि की दृष्टि में नियमों की निर्दयता का क्या कारण है ?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए :

'स्वस्थ संशोधनों के लिए —
रूढ़ियों की रसम तोड़ दो'

(घ) कवि ने कैसे स्वप्नों और धूल को श्रेष्ठ माना है और क्यों ?

(ङ) कविता में 'इन्द्रधनुषी' वहम किन्हें कहा गया है और क्यों ?

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

स्वर्ण विनष्ट हो जाता है और जन्म देता है स्वर्ण-भस्म को, जिसका महत्त्व स्वर्ण से अधिक होता है । यही बात निराला जी के विषय में भी कही जा सकती है जो स्वयं मिटकर भी हिन्दी साहित्य को शिखर तक ले जाने के लिए प्रयत्नशील रहे । जीवनकाल में उन्हें समुचित यश न प्राप्त हो सका, यद्यपि वह उसके लिए कभी लालायित नहीं रहे । पग-पग पर उन्हें संघर्षों का सामना करना पड़ा, किन्तु अनवरत संघर्ष भी उनकी काव्य-गति को अवरुद्ध न कर सका । काव्य-मंदाकिनी अंत समय तक अग्रसर होती रही, मंद भले ही हो गई हो, रुकी नहीं ।

साहित्यिक क्षेत्र के अतिरिक्त जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी उन्हें कम संघर्षों से नहीं जूझना पड़ा । प्रकाशक की तथाकथित उदारता, मित्रों के व्यवहार एवं उनकी मुक्तहस्तता ने कभी भी उनके पास द्रव्य को स्थान न पाने दिया । अर्थाभाव के कारण वे पत्नी और संतान के प्रति भी अपना कर्त्तव्य पूरा न कर सके । संतान के सुख के लिए उन्होंने अपने सम्पूर्ण जीवन को दुखमय बना डाला । दूसरा विवाह-बन्धन स्वीकार नहीं किया । बिरले ही पिता अपनी संतान के लिए ऐसा त्याग कर पाते हैं । निराला जी जहाँ साहित्य में पुरानी रूढ़ियों और बंधनों को न मानकर, नव गति, नव लय, ताल, छन्द पर ज़ोर देते रहे, वहीं समाज के भ्रामक ढकोसले

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

को न भाए, उन्होंने उनको भी अस्वीकार कर दिया । निराला महान् थे । [illegible] किसी स्थान, जाति अथवा सम्प्रदाय-विशेष के नहीं हुआ करते, वह विश्व की विभूति हुआ करते हैं ।

(क) ‘निराला’ कौन थे ? उनकी तुलना स्वर्ण-भस्म से क्यों की गई है ? *2*

(ख) काव्य-मंदाकिनी से क्या तात्पर्य है ? वह मंद क्यों पड़ गई ? *2*

(ग) ‘निराला’ के जीवन में धनाभाव के क्या कारण थे ? इससे उनके पारिवारिक जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा ? *2*

(घ) संतान के हित के लिए उनका ‘विरला’ त्याग क्या था ? *1*

(ङ) साहित्यिक क्षेत्र में निराला किन बातों पर बल देते रहे ? *2*

(च) कैसे कहा जा सकता है कि निराला महान् थे ? *2*

(छ) लेखक ने उन्हें विश्व की विभूति क्यों कहा हैं ? *1*

(ज) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(झ) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए : *1*

समुचित, महत्त्व

(ञ) ‘संतान के सुख के लिए उन्होंने अपने सम्पूर्ण जीवन को दुखमय बना डाला ।’ – मिश्र वाक्य में बदलिए । *1*

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर निबंध लिखिए : *5*

(क) बढ़ती जनसंख्या पर नियंत्रण

(ख) पैसा ‘पावर’ है

(ग) गुमराह करते विज्ञापन

(घ) पर्यावरण और हम

4. नई दिल्ली में स्थित उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखकर बाज़ार में नक़ली सामान की बढ़ती पर चिंता व्यक्त करते हुए उसकी बिक्री पर प्रतिबन्ध लगाने का अनुरोध कीजिए । *5*

अथवा

नगर की सड़कों पर मोटर साइकिल को तीव्र गति से चलाने वाले और उन पर करतब दिखाकर खिलवाड़ करने वाले युवकों के विरुद्ध कार्यवाही की माँग करते हुए नगर के पुलिस-अधीक्षक को पत्र लिखिए ।

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

के संक्षेप में उत्तर दीजिए : *1×5=5*

(i) मुद्रित माध्यमों की दो विशेषताएँ लिखिए ।

(ii) रेडियो-समाचार की संरचना-शैली क्या है ?

(iii) 'ड्राई एंकर' किसे कहते हैं ?

(iv) इंटरनेट-पत्रकारिता की लोकप्रियता के दो कारण लिखिए ।

(v) फ्रीलांसर पत्रकार किसे कहा जाता है ?

(ख) 'समाज में अन्धविश्वासों का फैलता जाल' **अथवा** 'युवकों में नशाख़ोरी की बढ़ती प्रवृत्ति' विषय पर एक आलेख लिखिए । *5*

6. 'पतनशील राजनीति' **अथवा** 'महँगी होती स्वास्थ्य सेवाएँ' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए । *5*

खण्ड ग

7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×4=8*

आख़िरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
ज़ोर ज़बरदस्ती से
बात की चूड़ी मर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी ।
हारकर मैंने उसे कील की तरह
उसी जगह ठोक दिया
ऊपर से ठीक-ठाक
पर अंदर से
न तो उसमें कसाव था
न ताक़त !
बात ने, जो एक शरारती बच्चे की तरह
मुझसे खेल रही थी,

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

इसे देखकर पूछा —

“क्या तुमने भाषा को

सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा ?”

(क) बात की चूड़ी मर जाने का क्या अर्थ है ? चूड़ी मर जाने का क्या परिणाम हुआ ?

(ख) बात के कसाव और ताक़त से कवि को क्या अभिप्रेत है ? बात की ये दोनों विशेषताएँ कैसे प्रभावहीन हो गईं ?

(ग) कवि ने बात को शरारती बच्चा क्यों कहा है ? वह बच्चा कवि के साथ कैसा व्यवहार कर रहा है और क्यों ?

(घ) ‘भाषा को सहूलियत से बरतने’ का आशय स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

ज़िन्दगी में जो कुछ है, जो भी है
सहर्ष स्वीकारा है;
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है ।
गरबीली ग़रीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब
यह विचार-वैभव सब
दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव सब
मौलिक है, मौलिक है
इसलिए कि पल-पल में
जो कुछ भी जाग्रत है, अपलक है —
संवेदन तुम्हारा है !!

(क) ‘सहर्ष स्वीकारा है’ के रूप में कवि ने किन भावों को ख़ुशी-ख़ुशी अंगीकार किया है और क्यों ?

(ख) ‘तुम्हें’ के रूप में कवि का संबोध्य कौन है ? आप ऐसा क्यों मानते हैं ?

(ग) टिप्पणी कीजिए :

(i) गरबीली ग़रीबी

(ii) भीतर की सरिता

(घ) ‘संवेदन तुम्हारा है’ — ‘संवेदन’ से कवि का क्या अभिप्राय है ? इस संवेदन के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

। को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 3 = 6$

ऊँच-नीच करम, धरम-अधरम करि,

  पेट ही को पचत, बेचत बेटा-बेटकी ।

तुलसी बुझाई एक राम घनस्याम ही तें,

  आगि बड़वागितें बड़ी है आगि पेटकी ।।

(क) 'राम घनस्याम' का अलंकार-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) काव्यांश के भाषिक सौन्दर्य पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) काव्यांश के आधार पर तुलसीयुगीन सामाजिक यथार्थ पर विचार कीजिए ।

अथवा

रक्षाबंधन की सुबह रस की पुतली

छायी है घटा गगन की हलकी-हलकी

  बिजली की तरह चमक रहे हैं लच्छे

  भाई के है बाँधती चमकती राखी ।

(क) काव्यांश के छन्द पर टिप्पणी कीजिए ।

(ख) कविता के भाषिक वैशिष्ट्य को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'रस की पुतली' के भावगत सौन्दर्य को उद्घाटित कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3+3=6$

(क) कैसे यह कहा जा सकता है कि 'उषा' कविता गाँव की सुबह के जीवन्त परिवेश का एक सफल चित्र है ।

(ख) 'बादल राग' कविता में किसान-मज़दूर की आकांक्षाएँ बादल को नव-निर्माण के राग के रूप में पुकार रही हैं — उदाहरणों के आधार पर प्रस्तुत कथन की पुष्टि कीजिए ।

(ग) 'आत्म-परिचय' कविता दुनिया के साथ कवि के प्रीतिकलहपरक सम्बन्धों का परिचय कराने वाली कविता है — सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions, CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

...र आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2\times4=8$

अँधेरी रात चुपचाप आँसू बहा रही थी । निस्तब्धता करुण सिसकियों और आहों को बलपूर्वक अपने हृदय में ही दबाने की चेष्टा कर रही थी । आकाश में तारे चमक रहे थे । पृथ्वी पर कहीं प्रकाश का नाम नहीं । आकाश से टूटकर यदि कोई भावुक तारा पृथ्वी पर जाना भी चाहता तो उसकी ज्योति और शक्ति रास्ते में ही शेष हो जाती थी । अन्य तारे उसकी भावुकता अथवा असफलता पर खिलखिलाकर हँस पड़ते थे ।

सियारों का क्रन्दन और पेचक की डरावनी आवाज़ कभी-कभी निस्तब्धता को भंग अवश्य कर देती थी । गाँव की झोंपड़ियों से कराहने और क़ै करने की आवाज़, 'हरे राम ! हे भगवान !' की टेर अवश्य सुनाई पड़ती थी ।

(क) अँधेरी रात किस रूप में आँसू बहा रही थी और क्यों ?

(ख) करुण सिसकियाँ और आहें किनकी थीं ? ऐसा क्यों कहा गया है कि निस्तब्धता उन्हें हृदय में ही दबाने की चेष्टा कर रही थी ?

(ग) किसी तारे को 'भावुक' क्यों कहा है ? वह धरती पर क्यों आना चाहता होगा ?

(घ) लेखक ने सियार और पेचक की आवाज़ को 'क्रन्दन और डरावनी' क्यों कहा है ?

अथवा

भक्तिन और मेरे बीच सेवक-स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे । भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना । वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमें सुख-दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है ।

(क) लेखिका को अपने-आपको भक्तिन का स्वामी मानने में क्या कठिनाई है ?

(ख) भक्तिन के लिए स्वामी के आदेश पर अवज्ञा से हँसने की बात लेखिका ने क्यों कही है ?

(ग) भक्तिन को नौकर कहने की असंगति को कैसे समझाया गया है ?

(घ) भक्तिन के व्यक्तित्व की सार्थकता किस पर आधारित है और क्यों ?

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions, CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

...न्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3×4=12*

(क) बाज़ार का जादुई ताक़त कैसे एक व्यक्ति को अपना गुलाम बना लेती है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'गगरी फूटी बैल पियासा' इंदर सेना के इस खेलगीत पर लेखक की टिप्पणी को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए ।

(ग) मानचित्र पर लकीर खींच देने मात्र से ज़मीन और जनता बँट नहीं जाती है – 'नमक' कहानी के आलोक में उदाहरणों के माध्यम से इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

(घ) 'शिरीष के फूल' के लेखक ने संघर्ष से भरी जीवन-स्थितियों में अविचल रहकर जिजीविषु बने रहने की सीख दी है – स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) 'श्रम-विभाजन और जाति-प्रथा' के लेखक के मतानुसार 'दासता' के स्वरूप को अपने शब्दों में समझाइए ।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) 'जूझ' कहानी के कथानायक के मन में कविताओं के प्रति रुचि किसने जगाई और कैसे ?

(ख) मुअनजो-दड़ो में सबसे ऊँचे चबूतरे पर बने बौद्ध स्तूप के महत्त्व को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए ।

(ग) ऐन के अपने पड़ोसी मिस्टर डसेल के बारे में क्या विचार थे ? लिखिए ।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2=4*

(क) यशोधर बाबू के व्यक्तित्व को दिशा देने में किशनदा के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

(ख) यशोधर बाबू को अपने बेटों की ख़रीदी हुई हर नई चीज़ बेज़रूरत लगती है किन्तु वे अन्दर से प्रसन्न भी होते हैं – ऐसा क्यों ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) कैसे कहा जा सकता है कि मुअन-जो-दड़ो की सभ्यता में आडम्बर नहीं था ? उदाहरण भी दीजिए ।

14. 'डायरी के पन्ने' के पाठ-परिचय में कहा गया है, "कई बार ख़ास इलाक़ों के मनुष्यों, जाति और संस्कृति का नामोनिशान मिटा देता है युद्ध ।" – इस कथन के आलोक में उन जीवन-मूल्यों और परिस्थितियों की चर्चा कीजिए जिन्हें द्वितीय विश्व युद्ध की फासीवादी ताक़तों ने तहस-नहस कर दिया था । *5*

अथवा

'जूझ' कहानी के कथानायक को अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए भी संघर्ष करना पड़ा था । आज 'शिक्षा का अधिकार' कानून बन जाने से ऐसी स्थितियों से कैसे निपटा जा सकता है ? जीवन-मूल्यों के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए ।

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects